सक्सेस मिरर

वर्ष : 11
अंक : 126
अक्टूबर : 2020

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

5 | गरीब गरीब क्यों ?
6 | समसामयिकी घटना संग्रह
8 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

15 | आर्थिक घटना संग्रह

- भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति वक्तव्य 2020-21 जारी किया
- वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना में शामिल हुए ये 4 नए राज्य
- फॉर्च्यून ग्लोबल-500 कम्पनियों की सूची जारी
- ₹ 40 लाख तक की सालाना आमदनी पर जीएसटी में छूट

19 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत पर दिया जोर
- डिजिटल शिक्षा पर भारत रिपोर्ट जून 2020
- भारत की पहली 'किसान रेल' का हुआ शुभारम्भ
- प्रधानमंत्री मोदी ने रखी राम मंदिर की आधारशिला
- कोरोना संकट में बेरोजगार हुए कामगारों को आधी सैलरी देगी सरकार

23 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत ने कनेक्टिविटी परियोजना के लिए मालदीव को दिए 500 मिलियन डॉलर
- इजरायल और यूएई के बीच हुआ ऐतिहासिक शांति समझौता
- अमरीका ने H-1B वीजा प्रतिबंधों में किया छूट का ऐलान, जानें किसे होगा फायदा
- अमरीका में टिकटॉक के लेन-देन पर लगा प्रतिबंध
- हांगकांग के साथ प्रत्यर्पण संधि को निलंबित करने वाला चौथा देश

26 | खेल खिलाड़ी

- हरियाणा करेगा खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 की मेजबानी
- एम.एस. धोनी ने अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का किया ऐलान
- धोनी के बाद सुरेश रैना ने भी इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

29 | विज्ञान समाचार
31 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह
34 | समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

37 | **प्रौद्योगिकी लेख**—'इंटरनेट ऑफ थिंग्स'
38 | **मनोवैज्ञानिक लेख**—मानव निर्माण में हॉर्मोन्स की भूमिका
39 | **कॅरियर लेख**—दिल्ली पुलिस में पुरुष और महिला कॉन्स्टेबिल (कार्यकारी) परीक्षा, 2020
76 | **कॅरियर सलाह**
78 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
80 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-123 का परिणाम**
81 | **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

42 | केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2019 प्रथम प्रश्न-पत्र
आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक क्लर्क (प्रा.) परीक्षा, 2019
48 | तर्कशक्ति
50 | संख्यात्मक योग्यता
54 | English Language
57 | उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2019

मॉडल हल

61 | आगामी दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबिल (कार्यकारी) भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
67 | आगामी राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक :** राहुल जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस :** 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन–2531101, 2530966
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली–110 002
फोन–011-23251844, 43259035

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल)
खजांची रोड
पटना–800 004
फोन–0612-2303340
मो–09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B म्यूनिसिपल प्रीमिसेस
No.15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर
कोलकाता–700 003 (W.B.)
फोन–033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन–040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी
जिला–नैनीताल–263 139
(उत्तराखण्ड)
मो–07060421008

गरीब गरीब क्यों ?

—साध्वी वैभवश्री 'विराट'

"Overcoming Poverty is not a task of Charity. It is an act of Justice.

— Nelson Mandela

जब से यह सृष्टि बनी है, तब से सम्पूर्ण समाज मुख्य रूप से दो वर्गों में बँटा हुआ है—अमीर और गरीब. अमीर वे जिनके पास सब कुछ है; गरीब वे जो साधनहीन हैं, वंचित हैं, निर्बल हैं, उपेक्षित हैं और शताब्दियों से अमीरों के शोषण का शिकार हैं. समाज, राष्ट्र और वैश्विक स्तर पर गरीबी दूर करने के लिए प्रयासों का सिलसिला जारी है. इतिहास साक्षी है अनेक अमीरों ने परोपकारी रूप धारण करते हुए गरीबों की सहायता की है, लोक कल्याण के कार्य किए हैं. सरकारों (राज्य/राष्ट्र) द्वारा गरीबी निवारणार्थ अनेक कार्यक्रम भी चलाए गए हैं. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व बैंक जैसे निकाय गरीबी के समूल नाश के लिए प्रयासरत है. राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हजारों गैर-सरकारी स्वयंसेवी संगठन गरीबों की सहायतार्थ प्रयासरत हैं. इस सबके बीच यह प्रश्न हजार टके का है कि लोग गरीब क्यों ?

निःसंदेह दरिद्रता एक अभिशाप है चाहे वह आय की दरिद्रता हो, चाहे मानव विकास की दरिद्रता हो, चाहे वैचारिक दरिद्रता हो. गरीबी के लिए उत्तरदायी कारणों की लम्बी-चौड़ी सूची बनाई जा सकती है, लेकिन उसमें एक तत्व सदैव ओझल रहता है और वह व्यक्ति के भीतर की सोच कि वह कर्महीन है इसलिए गरीब है, भाग्य उसका साथ नहीं देता इसलिए वह गरीब है, उसके पास संसाधनों का अभाव है इसलिए गरीब है.

आज तक अमीरों ने गरीबी मिटाने के लिए कोष बनाए, सरकार ने राहत कोष बनाए, तरह-तरह के अनुदान केन्द्रों की व्यवस्थाएँ हुईं, स्वयं सेवी संस्थाएं आगे आईं, साम्यवाद व समानता के अनेक प्रयास किए गए, किन्तु इस दुनिया से गरीबी कभी मिट नहीं पाई. जब भी लक्ष्मी (धन-सम्पदा) आई, अमीरों के घरों में ही आई. गरीब के यहाँ क्यों नहीं ? क्या लक्ष्मी देवी भी अन्याय करती है, पक्षपात करती है ? जिसको जरूरत है उसके पास नहीं जाती व जिसके यहाँ पहले से ही है, वहीं-वहीं पर आती है. लक्ष्मी का वाहन उल्लू है, कहीं इसलिए तो ऐसा नहीं होता.

ध्यान देने योग्य बात यह है कि जब भी गरीबी हटाने के लिए कोष इकट्ठा हुआ, वह धन-कुबेरों द्वारा हुआ. उन लोगों द्वारा अपनी कमाई व संग्रह में से आंशिक व अल्प दान दिया गया जिनकी तिजोरियाँ इन गरीबों की कमाई से ही भरती हैं.

तक वह अमीर नहीं हो सकता. सरकार से प्राप्त कोष भी गरीबों तक नहीं पहुँचता, वह भी अमीरों की तिजोरियों में ही चला जाता है. हाँ, वह अमीर भी, जो दिल से उदार व दयालु नहीं है, वह भी गरीब ही है. जो पैसे को पकड़ कर बैठा है, दिन-रात पैसे-पैसे का ही ध्यान किया करता है वह अभी अमीर नहीं हो पाया है. अमीरी तो धन के मालिक होने में है, गुलाम होने में नहीं. भगवान महावीर स्वामी का वचन है कि—'जहा अंतो तहा बाहिं' अर्थात् जो भीतर है वही बाहर होगा. अतः आंतरिक दरिद्रता के अहसास को मिटाइए, दीन-हीन सोच को हटाइए, स्वयं को धनी महसूस कीजिए तो आप शीघ्र ही धनवान हो जाएंगे.